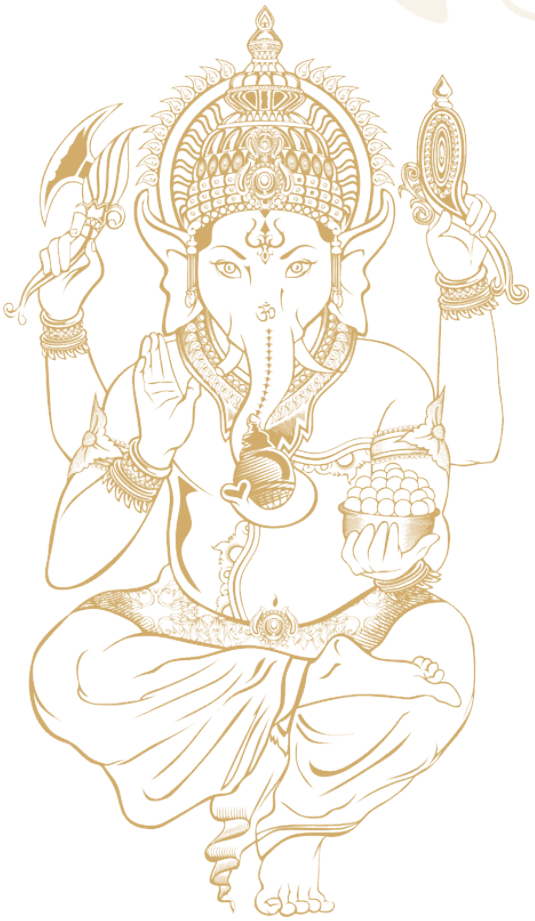

Dipanshu

27 Mar 1999

04:28 PM

Patiala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121478805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/03/1999**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:28:00 घंटे**
इष्ट	25:17:55 घटी
स्थान	**Patiala**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	76:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:03:36 घंटे
वेलान्तर	-00:05:33 घंटे
साम्पातिक काल	04:21:21 घंटे
सूर्योदय	06:20:50 घंटे
सूर्यास्त	18:39:35 घंटे
दिनमान	12:18:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:29:16 मीन
लग्न के अंश	14:47:01 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सुकर्मा
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:47:01	310:48:16	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मीन	12:29:16	00:59:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	20:13:10	13:03:20	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल	व		तुला	17:51:58	00:06:43	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	28:42:27	00:33:47	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु		अ	मीन	16:04:11	00:14:31	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मेष	17:02:55	01:11:56	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
शनि			मेष	09:02:14	00:07:08	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु			कर्क	27:33:12	00:00:44	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु			मक	27:33:12	00:00:44	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	21:43:51	00:02:30	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	10:04:52	00:01:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:36:06	00:00:27	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	13:18:34	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:36

लग्न-चलित

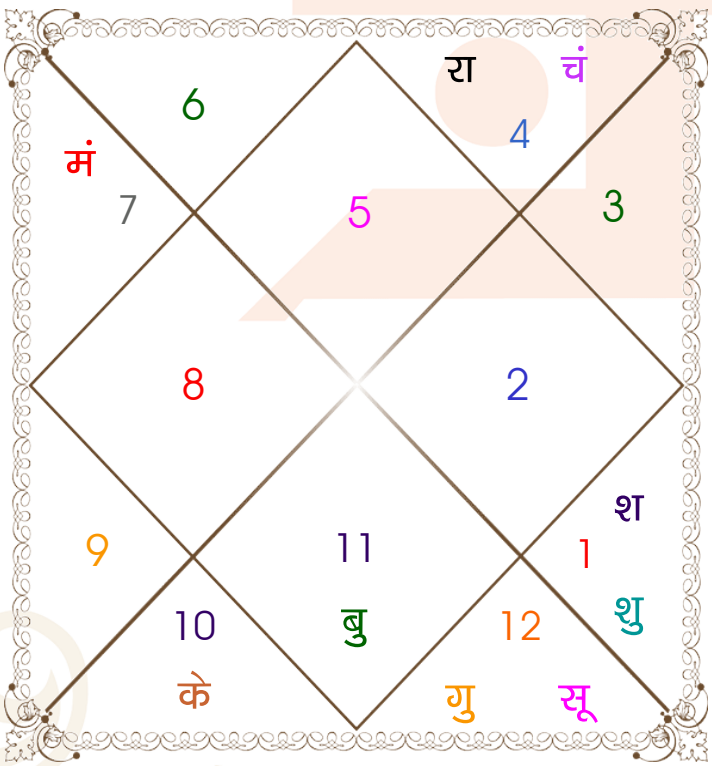

चन्द्र कुंडली

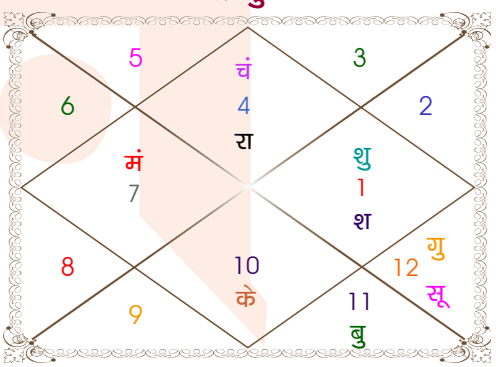

नवमांश कुंडली

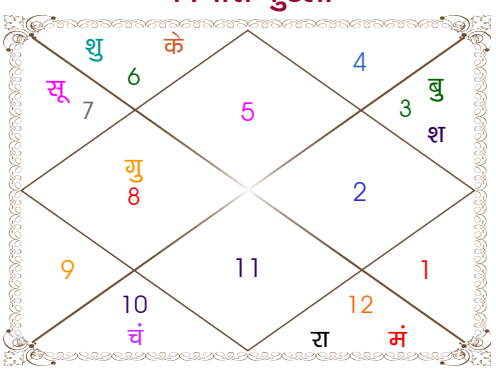

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 5 मास 19 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/03/1999		15/09/2011		15/09/2018		15/09/2038		14/09/2044	
15/09/2011		15/09/2018		15/09/2038		14/09/2044		15/09/2054	
	00/00/0000	केतु	11/02/2012	शुक्र	14/01/2022	सूर्य	02/01/2039	चंद्र	16/07/2045
	27/03/1999	शुक्र	12/04/2013	सूर्य	14/01/2023	चंद्र	04/07/2039	मंगल	14/02/2046
शुक्र	08/12/2000	सूर्य	18/08/2013	चंद्र	14/09/2024	मंगल	09/11/2039	राहु	16/08/2047
सूर्य	15/10/2001	चंद्र	19/03/2014	मंगल	14/11/2025	राहु	03/10/2040	गुरु	15/12/2048
चंद्र	16/03/2003	मंगल	15/08/2014	राहु	14/11/2028	गुरु	22/07/2041	शनि	16/07/2050
मंगल	13/03/2004	राहु	03/09/2015	गुरु	16/07/2031	शनि	04/07/2042	बुध	15/12/2051
राहु	30/09/2006	गुरु	09/08/2016	शनि	15/09/2034	बुध	10/05/2043	केतु	15/07/2052
गुरु	05/01/2009	शनि	18/09/2017	बुध	16/07/2037	केतु	15/09/2043	शुक्र	16/03/2054
शनि	15/09/2011	बुध	15/09/2018	केतु	15/09/2038	शुक्र	14/09/2044	सूर्य	15/09/2054

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/09/2054		14/09/2061		15/09/2079		15/09/2095		16/09/2114	
14/09/2061		15/09/2079		15/09/2095		16/09/2114		00/00/0000	
मंगल	11/02/2055	राहु	28/05/2064	गुरु	02/11/2081	शनि	18/09/2098	बुध	11/02/2117
राहु	29/02/2056	गुरु	21/10/2066	शनि	15/05/2084	बुध	29/05/2101	केतु	09/02/2118
गुरु	04/02/2057	शनि	27/08/2069	बुध	21/08/2086	केतु	08/07/2102	शुक्र	28/03/2119
शनि	16/03/2058	बुध	16/03/2072	केतु	28/07/2087	शुक्र	06/09/2105		00/00/0000
बुध	13/03/2059	केतु	03/04/2073	शुक्र	28/03/2090	सूर्य	19/08/2106		00/00/0000
केतु	09/08/2059	शुक्र	03/04/2076	सूर्य	14/01/2091	चंद्र	20/03/2108		00/00/0000
शुक्र	09/10/2060	सूर्य	26/02/2077	चंद्र	15/05/2092	मंगल	28/04/2109		00/00/0000
सूर्य	13/02/2061	चंद्र	27/08/2078	मंगल	21/04/2093	राहु	04/03/2112		00/00/0000
चंद्र	14/09/2061	मंगल	15/09/2079	राहु	15/09/2095	गुरु	16/09/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 5 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।